

बिहार नविश प्रोत्साहन परिषद की बैठक में 46 नविश प्रस्तावों को प्रथम क्लियरेंस दिया गया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार नविश प्रोत्साहन परिषद (एसआइपीबी) की 50वीं बैठक में 820.76 करोड़ रुपए के कुल 46 नविश प्रस्तावों को प्रथम क्लियरेंस दिया गया है। सभी प्रस्ताव दो करोड़ रुपए से अधिक के हैं।

प्रमुख बंदि

- बिहार नविश प्रोत्साहन परिषद की यह बैठक 10 नवंबर को हुई थी, जिसकी प्रोसीडिंग 17 नवंबर को जारी की गयी।
- परिषद द्वारा जनि नविश प्रस्तावों को प्रथम क्लियरेंस दिया गया है उनमें सर्वाधिक 14 प्रस्ताव (490 करोड़ रुपए) खाद्य प्रसंस्करण के हैं। इसके अलावा 13 प्रस्ताव (157.23 करोड़ रुपए) राइस मलिनो की स्थापना के लिये, 12 प्रस्ताव (115 करोड़ रुपए) जनरल मैनुफैक्चरिंग के, 4 प्रस्ताव (38 करोड़ रुपए) हेल्थ एंड केयर सेक्टर के, एक प्रस्ताव (102 करोड़ रुपए) टेक्सटाइल एंड लेदर सेक्टर का, एक प्रस्ताव (5.61 करोड़ रुपए) आइटी सेक्टर का और एक प्रस्ताव (3.91 करोड़ रुपए) स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज का है।
- राज्य के वैशाली ज़िले में 102 करोड़ रुपए से अधिक के नविश से लेदर फुटवियर बनाने की फैक्ट्री स्थापति की जाएगी। साथ ही 191 करोड़ रुपए के नविश से लॉजिस्टिक एंड वेयर हाउस स्थापति करने का प्रस्ताव है।
- हाजीपुर में 61 करोड़ रुपए के नविश से बस्किट एंड केक यूनिट स्थापति करने का प्रस्ताव है। पटना में पाटलपुत्र रोड क्षेत्र में फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी की स्थापना और पाटलपुत्र औद्योगिक क्षेत्र में सॉफ्टवेयर सर्विस कंपनी नविश करने जा रही है।
- भागलपुर और पूरणिया में इथेनॉल प्लांट स्थापति होने जा रहा है। इसके अलावा नौ जिलों- नालंदा, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, गया, पश्चिमी चंपारण, औरंगाबाद, पटना, बक्सर और शेखपुरा में नयी राइस मलि स्थापति करने का प्रस्ताव है।
- भागलपुर के नौगछिया में 58 करोड़ रुपए के नविश और पूरणिया के परौरा में 17.30 करोड़ रुपए के नविश से इथेनॉल प्लांट स्थापति किया जाएगा। बेगूसराय में वाटर पार्क/होटल/रेस्टॉरेंट स्थापति करने में लगभग 10 करोड़ रुपए का नविश किया जाएगा।
- पटना में फूड लैब की स्थापना में करीब छह करोड़ रुपए का नविश किया जा रहा है। पश्चिमी चंपारण के नरकटियागंज में चार करोड़ रुपए से अधिक के नविश में होटल स्थापति किया जाएगा। शेष नविश फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में किये जाएंगे।
- एसआइपीबी की बैठक में 216.85 करोड़ रुपए के 28 नविश प्रस्तावों को वित्तीय क्लियरेंस भी दिया गया है। ये वे प्रस्ताव हैं, जिनमें नविश के लिये वित्तीय मदद देने के लिये बैंक और अन्य वित्तीय एजेंसियाँ तैयार हैं। इस तरह का क्लियरेंस उन यूनिटों को दिया जाता है, जिनमें वित्तीय एजेंसियाँ लोन और दूसरी सुविधाएं देने के लिये अंतिम रूप से तैयार हो जाती हैं।